हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

डा. मनोज एवं डा. सुधीर हुए सम्मानित

सम्मेलन

जौनपुर | वरिष्ठ संवाददाता

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डा. मनोज मिश्र को आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट इन साइंस कम्युनिकेशन और पर्यावरण विज्ञान विभाग के डा. सुधीर उपाध्याय को यंग साइंटस्टि अवार्ड से गुरुवार को धनबाद सम्मेलन में सम्मानित किया गया।

धनबाद झारखंड में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सम्मेलन के मुख्य अतिथि पटना आईसीएआर के निदेशक डा बीपी भट्ट , एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय मारीशस के डा. भानुदत्त लालजी एवं यूनाइटेड नेशन में फूड एवं एग्रीकल्चर आर्गनाइजेशन के सदस्य एवं भारतीय चावल अनुसन्धान केंद्र हैदराबाद के प्रधान वैज्ञानिक डा. बृजेन्द्र परमार ने डा. मिश्र को अंगवस्त्रम, स्मृतिचिन्ह एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। डा. मिश्र ने खेती- किसानी के दौरान सर्पदंश की घटनाओं में अंधविश्वास एवं असावधानी के चलते होने वाली मौतों पर शोध प्रस्तुत किया।

डा सुधीर उपाध्याय ने पर्यावरण की अनुकूलता को बनाए रखने के साथ ही बैक्टीरिया के उपयोग से बंजर भूमि में सभी फसलों की अच्छी पैदावार को लेकर अपना शोध प्रस्तु किया।

धनबाद में सम्मानित होते डा. मनोज मिश्र व डा. सुधीर कुमार। • हिन्दुस्तान

आपकी सरकार
www.facebook.com/rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www.rashtriyasahara.com

बेली डांस करेंगी शिल्पा शेट्टी
पेज-16

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता • कर्तव्य • समर्पण
वाराणसी
शुक्रवार • 30 मार्च • 2018
16 पृष्ठ, मूल्य ₹ 3.00

डॉ. मनोज मिश्र आउट स्टैंडिंग अचीवमेंट से सम्मानित

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र को आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट इन साइंस कम्युनिकेशन एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के डॉ. सुधीर उपाध्याय को यंग साइंटिस्ट अवार्ड से धनबाद सम्मेलन में सम्मानित किया गया। गुरुवार को धनबाद झारखंड में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सम्मेलन के मुख्य अतिथि पटना आईसीएआर के निदेशक डॉ.

बीपी भट्ट, एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय मारीशस के डॉ. भानुदत्त लालजी एवं यूनाइटेड नेशन में फूड एवं एग्रीकल्चर अर्गनाइजेशन के सदस्य एवं भारतीय चावल अनुसंधान केंद्र हैदराबाद के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. बृजेंद्र परमार ने डॉ. मिश्र को अंगवस्त्रम्, स्मृतिचिन्ह एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंच पर ओहियो विश्वविद्यालय यूएसए की डॉ. अस्मिता मुरुमकर, यूनाइटेड नेशन फेडरेशन के डॉ. सिओसिवा हलावताऊटोंगा सहित देशविदेश के वैज्ञानिक, शिक्षाविद् एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता का दिया संदेश

अमर उजाला ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सामाजिक एकता और समरसता का संदेश देने के लिए विद्यार्थियों ने मानव शृंखला बनाई। जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य द्वार से संकाय भवन तक दोनों तरफ विद्यार्थियों और शिक्षकों एक दूसरे का हाथ पकड़ कर शृंखला बनाली।

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय के अध्यक्ष डा. मनोज मिश्र ने कहा कि देश परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। पूरी दुनिया की नजरें घटनाक्रम पर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मानव शृंखला बनाया

सशक्त राष्ट्र के लिए आपसी भाईचारा और सौहार्द पर दिया बल

है। ऐसे में एक सशक्त राष्ट्र के लिए आपसी भाईचारा और सौहार्द हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। सबसे बड़ा राष्ट्र वंदन हमारी आपसी तालमेल और प्रेम में है। स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ पर देश की एकता के लिए हम सभी एकजुट हो। उन्होंने कविता के माध्यम से देश की वर्तमान स्थिति पर विद्यार्थियों को सोचने पर विवश किया। उन्होंने कहा कि हमारा घर आजायब घर बना है, सपोले आस्तीनों में पले हैं। हमारा देश है खूनों नहाया, यहां के लोग नाखूनों फले हैं। मानव श्रृंखला में जनसंचार , व्यावहारिक मनोविज्ञान, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के विद्यार्थी शामिल हुए। इस अवसर पर डा. अजय प्रताप सिंह, डा. एसपी तिवारी, प्रो. राजेश शर्मा, डा. अवध बिहारी सिंह, डा. सुनील कुमार, डा. जाह्नवी श्रीवास्तव, डा. मनोज पांडेय, अन्नू त्यागी, सुधांशु यादव, विवेक पांडे, ऋषि श्रीवास्तव, डा. प्रभाकर सिंह आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संयोजन डा. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया।

एकता का संदेश

मंगलवार को पूर्वांचि में मानव श्रंखला बनाकर एकता और समरसता का सन्देश देते छात्र छात्राएं।

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, सोमवार, 22 फरवरी, 2021

लोक साहित्य संरक्षण में अनुवाद की बड़ी भूमिका : कुलपति

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस के अवसर पर मातृ भाषा के संवर्द्धन में अनुवाद की भूमिका विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।

संबोधन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि लोक साहित्य, लोक कहानियां, लोक गीतों के संरक्षण के लिए अनुवाद की महत्वपूर्ण भूमिका है। साथ ही कहा कि भाषा का विस्तार हुआ है। प्रतीकात्मक भाषा से ऑनलाइन कंप्यूटर की भाषा का सफर हमने तय कर लिया है। उन्होंने कहा कि भारत बहुभाषा-भाषी देश है। हम सभी कोभाषाओं को संरक्षित करने की और लुप्त होती भाषाओं को बचाने के लिए आगे आना होगा।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग के प्रोफेसर,लब्ध प्रतिष्ठ कवि एवं शायरअनूप वशिष्ठ बतौर मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि अनुवाद रचनात्मकता से बड़ा कार्य है। दो भाषाओं के ज्ञान के साथ ही उसकी संस्कृति, प्रकृति व परंपरा का भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुवाद विशद् ज्ञान है और इसके लिए संवेदनशीलता की जरुरत पड़ती है।

उन्होंने कहा कि एक- दूसरे से भावनात्मक आदान-प्रदान ही मातृभाषा है। अनुवाद की योजना पर काम जमीनी स्तर पर हो तभी मातृभाषा का विस्तार हो सकता है।

विशिष्ट अतिथि प्रख्यात यात्रा लेखिका डॉ. कायनात काजी ने कहा कि ज्ञान के प्रसार में भाषा के अवरोध को हटाने में अनुवादकों की बड़ी भूमिका है।

उन्होंने कहा कि भाषा जल की तरह है उसका प्रवाह यदि रुकेगा तो वह विलुप्त हो जाएगी। मातृभाषा के महत्व पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि ऐमजॉन और फ्लिपकार्ट जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनियां क्षेत्रीय भाषाओं में अपनी सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं। वेबिनार में प्रो. मानस पांडेय, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने भी विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम का संचालन एवं विषय प्रवर्तन जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनील कुमार ने किया। कार्यक्रम सचिव डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने स्वागत किया। इस अवसर पर प्रो. देवराज सिंह, प्रो. राजेश शर्मा,डॉ. राकेश यादव , डॉ. जगदेव, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. रसिकेश, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, अन्नू त्यागी, डॉ. मनोज पांडेय, डॉ. राधा ओझा, डॉ. अवध बिहारी सिंह तथा विद्यार्थियों समेत तमाम लोग उपस्थित रहें।

वेबिनार

रचनात्मकता से बड़ा कार्य है अनुवाद : प्रो. वशिष्ठ अनूप

अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने मातृभाषा के महत्व को बखूबी समझा : डॉ. कायनात

मातृभाषा के संवर्धन में अनुवाद की भूमिका विषयक वेबिनार का हुआ आयोजन

वेबिनार कार्यक्रम में चर्चा करते लोग।

कोविड काल में पत्रकारिता का योगदान अहम : वीसी

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर पत्रकारिता की नई चुनौतियों पर हुआ विमर्श

जौनपुर। हिंदी पत्रकारिता दिवस पर रविवार को जगह-जगह वेबिनार और गोष्ठियां हुईं। अतीत की पत्रकारिता और नए दौर की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए समाधान तलाशे गए।

पूर्वांचल विवि के जनसंचार विभाग में हिंदी पत्रकारिता: कोविड काल और जनसरोकार विषयक वेबिनार में मुख्य अतिथि आशुतोष शुक्ल ने कहा कि पत्रकारिता पहले भी मिशन थी, आज भी है और सदैव रहेगी। ईमानदारी से पत्रकारिता करने वालों पर सबसे अधिक सवाल उठाए जाते हैं। कोविड काल में जनता तक खबरें पहुंचाने में पत्रकार प्रथम पंक्ति में खड़े रहे हैं। प्रतीक त्रिवेदी ने कहा कि कोविड काल के बाद दुनिया बदली-बदली होगी। पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पताल जो मीडिया के हाशिए पर थे, उनकी उपयोगिता कोविड काल में समझ में आई। उन्होंने कहा कि कि टेक्नोलॉजी ने हमें पूरी तरह बदल दिया है जो कि देशहित में है।

कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने सदैव समाज को जोड़ने का काम किया है। हिंदी पत्र के प्रथम संपादक पंडित युगलकिशोर शुक्ल के संघर्षों की चर्चा की। जनचेतना में अपनी अहम भूमिका निभाई है। संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। सह संयोजक डॉ. सुनील कुमार रहे। कार्यक्रम में प्रो. मानस पांडेय, प्रो. एचसी पुरोहित, प्रो. वंदना राय, प्रो. देवराज सिंह, डॉ. कायनात काजी ,डॉ. आलोक सिंह, डॉ. आशिमा सिंह, डॉ. उमेश पाठक, डॉ. मनीष जैसल, डॉ. अखिलेश चन्द्र, डॉ. गीता सिंह, डॉ. राजकुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. अमरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट स्थित पत्रकार भवन में हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर गोष्ठी में बोलतीं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शिवानी रावत।

पत्रकार का लेखन निष्पक्ष होना चाहिए

जौनपुर पत्रकार संघ की ओर से पत्रकार भवन में आयोजित कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शिवानी रावत ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता देश के अधिकांश हिस्सों में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाए हुए है। पत्रकार लोकतंत्र में पथ प्रदर्शक होते हैं। उसका लेखन निष्पक्ष और पारदर्शी होना चाहिए। पत्रकारिता को मिशन रहने दें, उसे व्यवसाय न बनने दें। संघ के अध्यक्ष शशिमोहन सिंह क्षेम ने स्वागत किया। संचालन महामंत्री डॉ. मधुकर तिवारी ने किया। इस मौके पर लोलारक दुबे, अखिलेश तिवारी, डॉ. मनोज वत्स, भारतेंदु मिश्रा, रामदयाल द्विवेदी, वीरेंद्र मिश्र विराट, सौम्या तिवारी, राधा सिंह, अंजली पांडेय आदि मौजूद रहे। ऋषि सिंह, राणा सिंह आदि ने मुख्य अतिथि शिवानी रावत और उनके पति प्रदीप रावत को डॉ. श्रीपाल सिंह क्षेम द्वारा रचित महाकाव्य कृष्ण द्वैपायन भेंट किया। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की ओर से अध्यक्ष विजय प्रकाश मिश्र की अध्यक्षता में ऑनलाइन संगोष्ठी में मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. आरएन त्रिपाठी ने हिंदी पत्रकारिता पर प्रकाश डाला। इस मौके पर प्रेम प्रकाश मिश्र, यशवंत गुप्ता, रियाजुल हक, शब्बीर हैदर, मो. सैफ खान आदी मौजूद रहे।

वीर ब...
की ...
पुण्...

जौनपुर। पूर्वां... में रविवार को... संस्थापक वीर... पुण्यतिथि मना... निर्मला एस मौ... पर माल्यार्पण... पर उन्होंने कहा... से उनका खास... चाहते थे कि... यही ज्यादा से... अवसर उपलब्ध... उन्होंने रामगढ़... बौद्ध परिपथ... सड़कों का... नगर, शाहीनगर... का निर्माण, पर्य... स्थापना, तारामं... विभिन्न पार्कों... कराने का काम... को पर्यटन स्थ... औद्योगिक के... ख्वाहिश रखते... प्रदेश का विका... इस अवसर प... कुमार, परीक्षा... प्रो. देवराज, ... अमृतलाल, ... बबीता सिंह, ... अवध बिहारी, ... कौशिक, करुण... सिंह, पंकज सिं... आदि मौजूद थे...

दो बहनों क...

जौनपुर। सराय... नाबालिग बहनों... लिया है। दोनों ... भगा ले गया था... कर गिरफ्तार क... लिए भेजा गया...

तीसरी लहर के लिए पत्रकार रहें तैयार - आशुतोष शुक्ला

कोविड के प्रति जनचेतना में पत्रकारिता का अभिन्न योगदान – कुलपति

कोविड काल के बाद दुनिया बदली बदली होगी – प्रतीक त्रिवेदी

करंजाकला जौनपुर (दैनिक मान्यवर)। वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर रविवार को हिंदी पत्रकारिता: कोविड काल और जनसरोकार विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ल सम्पादक, दैनिक जागरण, उत्तर प्रदेशाल ने कहा कि पत्रकारिता पहले भी मिशन थी, आज भी है और सदैव रहेगी। ईमानदारी से पत्रकारिता करने वालों पर सबसे अधिक सवाल उठाये जाते है, इससे विचलित होने की जरुरत नहीं है, उन्होंने कहा कि कोविड काल में जनता तक खबरें पहुँचाने के लिए पत्रकार प्रथम पंक्ति में खड़े रहे है, तीसरी लहर के लिए पत्रकारों को और अधिक तैयार रहने की जरुरत है,उन्होंने कहा कि आपदा को अवसर बनाने वाले असुर है स्वअनुशासन से ही हम कोविड से सुरक्षित रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के शिक्षक पत्रकारिता पर भी निगरानी रखे तब हम और हमारे साथी और अच्छा करने का प्रयास करेंगे।

मुख्य वक्ता न्यूज -18 इंडिया के वरिष्ठ संपादक प्रतीक त्रिवेदी ने कहा कि कोविड काल के बाद जब नया सवेरा आएगा तो दुनिया बदली- बदली होगी । उन्होंने कहा कि समाचारों की दुनिया में पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पताल जो मीडिया के हाशिए पर थे, उनकी उपयोगिता कोविड काल में समझ में आई। हमें और सरकार द्वारा इसको और मूल्यांकित किये जाने की जरूरत है ताकि यह अच्छे तरह से सुदृढ़ हो सके। उन्होंने कहा कि कि टेक्नोलॉजी ने हमें पूरी तरह बदल दिया है जो कि देशहित में है. उन्होंने कहा कि पत्रकार खबरों को चेक, रीचेक और क्रॉस चेक करें. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परिस्थितियों के अनुरूप अपने नजरिये को बदले यही समाज के हित में है।

अध्यक्षीय उदबोधन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस.मौर्य ने सभी को हिंदी पत्रकारिता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने सदैव समाज को जोड़ने का काम किया है.उन्होंने हिंदी पत्र के प्रथम सम्पादक पंडित दुगलकिशोर शुक्ल के संघर्षों को चर्चा करते उनको नमन किया। उन्होंने कहा कि कोविड काल में पत्रकारों ने जनचेतना में अपनी अहम् भूमिका निभाई है उनके बिना कोरोना से नहीं लड़ा जा सकता. वेबिनार में अपने उदबोधन के पूर्व उन्होंने स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम का संचालन वेबिनार संयोजक एवं विभागाध्यक्ष डॉ0 मनोज मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ0 दिग्विजय सिंह राठौर ने किया. कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ0 सुनील कुमार एवं शिवाली आहूजा ने तकनीकी सहयोग किया. इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रो मानस पाण्डेय, प्रो एच सी पुरोहित, प्रो वंदना राय, प्रो देवराज सिंह, डॉ कायनात काजी,डॉ आलोक सिंह, डॉ अस्मिता सिंह, डॉ उमेश पाठक, डॉ सलीम जैसल, डॉ अखिलेश चन्द्र, डॉ गीता सिंह, डॉ राजकुमार, डॉ प्रदीप कुमार, डॉ रसिकेश, डॉ अमरेन्द्र सिंह, डॉ धर्मेन्द्र सिंह, डॉ अवध बिहारी सिंह, डॉ चन्दन सिंह,डॉ वंदना समेत देश के विभिन्न प्रदेशों से पत्रकार, शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

केंद्र सरकार के सात वर्ष पूरे होने पर भाजपाइयो ने किया रक्तदान

मछलीशहर जौनपुर (दैनिक मान्यवर)। केंद्र सरकार के सफलतापूर्वक सात वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सेवा ही संगठन भाग-2 कार्यक्रम के तहत रक्तदान राहत के पुत्र डॉ अभिषेक राहत और उनकी ब्लड बैंक की टीम ने सभी का रक्त परीक्षण करने के बाद रक्त निकलवाया। प्रमुख उपस्थित लोगों में संघ के जिला प्रचारक ओमप्रकाश, जिला

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
डेली न्यूज़
ऐक्टिविस्ट

तीसरी लहर के लिए तैयार रहें पत्रकार : आशुतोष

- कोविड के प्रति जनचेतना में पत्रकारिता का अभिन्न योगदान : कुलपति
- हिंदी पत्रकारिता दिवस पर कोविड काल और जनसरोकार विषयक वेबिनार का आयोजन

जौनपुर (डीएनएन)। वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस पर रविवार को हिंदी पत्रकारिता : कोविड काल और जनसरोकार विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ल ने कहा कि पत्रकारिता पहले भी मिशन थी। आज भी है और सदैव रहेगी। ईमानदारी से पत्रकारिता करने वालों पर सबसे अधिक सवाल उठाये जाते हैं। इससे विचलित होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि कोविड काल में जनता तक खबरें पहुंचाने के लिए पत्रकार प्रथम पंक्ति में खड़े रहें है। तीसरी लहर के लिए पत्रकारों को और अधिक तैयार रहने की जरूरत है। मुख्य वक्ता वरिष्ठ संपादक प्रलोक त्रिवेदी ने कहा कि कोविड काल के बाद जब नया सवेरा आवेगा तो दुनिया बदली-बदली होगी। उन्होंने कहा कि समाचारों की दुनिया में पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पताल जो मीडिया के हाशिये पर थे, उनकी उपयोगिता कोविड काल में समझ में आई। हमें और सरकार द्वारा इसको और मूल्यांकित किये जाने की जरूरत है ताकि यह अच्छी तरह से सुदृढ़ हो सके। उन्होंने कहा कि कि टेक्नोलॉजी ने हमें पूरी तरह बदल दिया है जो कि देशहित में है। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि परिस्थितियों के अनुरूप अपने नजरिये को बदले, यही समाज के हित में है। अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्या ने सभी को हिंदी पत्रकारिता दिवस की बधाई देते हुये कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने सदैव समाज को जोड़ने का काम किया है। उन्होंने हिंदी पत्र के प्रथम सम्पादक पंडित युगल किशोर शुक्ल के संघर्षों की चर्चा करते उनको नमन किया। कहा कि कोविड काल में पत्रकारों ने जनचेतना में अपनी अहम भूमिका निभाई है। उनके बिना कोरोना से नहीं लड़ा जा सकता। इससे पूर्व उन्होंने स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन वेबिनार संयोजक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ. सुनील कुमार एवं शिफाली आहूजा ने तकनीकी सहयोग किया। वेबिनार में प्रो. मानस पाण्डेय, प्रो. एचसी पुरोहित, प्रो. वंदना राय, प्रो. देवराज सिंह, डॉ. कायनात काजी, डॉ. आलोक सिंह, डॉ. अरिमा सिंह, डॉ. उमेश पाठक, डॉ. सतीश जैसल, डॉ. अखिलेश चन्द्र, डॉ. गीता सिंह, डॉ. राजकुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. रमिकेश, डॉ. अमरेन्द्र सिंह, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, डॉ. अवध बिहारी सिंह, डॉ. चन्दन सिंह, डॉ. वंदना समेत देश के विभिन्न प्रदेशों से पत्रकार, शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

लखनऊ 31-05-2021
http://www.dailynewsactivist.com
शब्द शब्द संघर्ष डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

04:36
dailynewsactivist.com/ir

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
डेली न्यूज़
ऐक्टिविस्ट

मीडिया के स्वरूप में आया क्रांतिकारी परिवर्तन : प्रो. केजी सुरेश

- पूर्वांचल विवि में सात दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग, आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चित प्रकोष्ठ की ओर से डिजिटल दौर में मीडिया का बहुआयामी स्वरूप विषयक सात दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत सोमवार को हुई। ऑनलाइन कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता, संचार विश्वविद्यालय भोपाल, मध्य प्रदेश के कुलपति प्रो. केजी सुरेश ने कहा कि डिजिटल की दुनिया में क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिला है। आज चार साल के बच्चे से लेकर 80 साल के बुजुर्ग ऑनलाइन कनेक्ट हो रहे हैं। कल तक जिन बच्चों को मोबाइल से दूर रखा जाता था, आज मोबाइल से सीखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। प्रो. केजी सुरेश ने कोरोना काल से पत्रकारों को निराश न होने की सलाह दी। फिक्की ने मीडिया सेक्टर में 25 प्रतिशत का उछाल आने की संभावना जताई है। वर्तमान दौर में डिजिटल मीडिया की बढ़ती लोकप्रियता का हवाला देते हुए कहा कि आज 28 प्रतिशत विज्ञापन डिजिटल की तरफ जा रहे हैं, जबकि प्रिंट को सिर्फ 25 प्रतिशत विज्ञापन मिल रहा है। विशिष्ट अतिथि जनसंचार केंद्र राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष प्रो. संजीव भानावत ने कहा कि आज छापाखानों से निकलकर पत्रकारिता मोबाइल में कैद हो चुकी है। कंटेंट का डिस्ट्रिब्यूशन तेजी से हो रहा है। डिजिटल दौर में पत्रकारिता मल्टी टास्किंग हो चुकी है। डिजिटल मीडिया में न स्पेस का संकट है न समय का। प्रो. संजीव भानावत ने प्राचीनकाल से लेकर वर्तमान दौर में मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर चर्चा करते हुए महाभारत के संजय को पहला युद्ध संवाददाता बताया। कहा कि पहले नारद व संजय के पास जो ताकत थी, उसे आज डिजिटल माध्यम ने आम जनता को दी है। नई तकनीक कुछ नए खतरे को लेकर आती है लेकिन इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

जेसीआई संस्कार ने किया 25 यूनिट रक्तदान

आज
जौनपुर
वाराणसी, १५ जून, २०२१

डिजिटल दौरमें मीडियाके स्वरूपमें दिखा क्रांतिकारी परिवर्तन: प्रो. केजी

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विविमें सात दिवसीय कार्यशालाकी हुई शुरुआत

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चित प्रकोष्ठ की ओर से डिजिटल दौर में मीडिया का बहुआयामी स्वरूप विषयक सात दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत सोमवार को हुई। ऑनलाइन आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल, मध्य प्रदेश के कुलपति प्रोफेसर केजी सुरेश ने कहा कि डिजिटल की दुनिया में क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिला है। आज चार साल के बच्चे से लेकर 80 साल के बुजुर्ग ऑनलाइन कनेक्ट हो रहे हैं। कल तक जिन बच्चों को मोबाइल से दूर रखा जाता था, उन्हें आज मोबाइल से सीखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

प्रोफेसर केजी सुरेश ने कोरोना काल से पत्रकारों को निराश न होने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि

फिक्की ने मीडिया सेक्टर में 25 प्रतिशत का उछाल आने की संभावना जताई है। प्रोफेसर केजी सुरेश ने वर्तमान दौर में डिजिटल मीडिया की बढ़ती लोकप्रियता का हवाला देते हुए कहा कि आज 28 प्रतिशत विज्ञापन डिजिटल की तरफ जा रहे हैं, जबकि प्रिंट को सिर्फ 25 प्रतिशत विज्ञापन मिल रहा है। बतौर विशिष्ट अतिथि जनसंचार केंद्र राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर संजीव भानावत ने कहा कि आज छापाखानों से निकलकर पत्रकारिता मोबाइल में कैद हो चुकी है। कंटेंट का डिस्ट्रिब्यूशन तेजी से हो रहा है। डिजिटल दौर में पत्रकारिता मल्टीटास्किंग हो चुकी है। डिजिटल मीडिया में न स्पेस का संकट है न समय का। प्रोफेसर संजीव भानावत ने प्राचीन काल से लेकर वर्तमान दौर में मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर चर्चा करते हुए महाभारत के संजय को पहला युद्ध संवाददाता बताया। उन्होंने कहा कि पहले नारद व संजय के पास जो ताकत थी, उसे आज डिजिटल माध्यम ने आम जनता को दी है। हर नई तकनीक कुछ नए खतरे को लेकर आती है, लेकिन इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। आज प्रिंट, इलेक्ट्रानिक सभी माध्यम मोबाइल में समा गए हैं। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि समय के साथ समाज की सोच बदलती है। बदलते युग के साथ जनसंचार में भी बदलाव आता है। कभी एक पत्र से शुरू हुई पत्रकारिता आज डिजिटल माध्यम तक पहुंची है। उन्होंने कहा कि समय की मांग के अनुरूप मीडिया का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। आज इंटरनेट मीडिया के कारण अब मिनटों में पूरी दुनिया का हाल जान लेते हैं। कुलपति ने प्रिंट मीडिया की प्रासंगिकता हमेशा बरकरार रहने की भी बात कही। अतिथियों का स्वागत आंतरिक गुणवत्ता सुनश्चयन प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. मानस पांडेय एवं कार्यशाला की रूपरेखा एवं संचालन संयोजक डा. मनोज मिश्र ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डा. सुनील कुमार ने किया। सात दिवसीय कार्यशाला के आयोजन सचिव डा. दिग्विजय सिंह राठौर ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यशाला में सह संयोजक डा. धर्मेंद्र सिंह, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. राघवेंद्र मिश्र, डा. अवध बिहारी सिंह, डा. चंदन सिंह, डा. कौशल पांडेय, डा. बुशरा जाफरी, डा. प्रभा शर्मा, डा. छोटेलाल, लता चौहान, डा. सतीश जैसल, डा. राधा ओझा, डा. दयानंद उपाध्याय, डा. विजय तिवारी, डा. शशि कला यादव, वीर बहादुर सिंह समेत देश के 21 राज्यों से प्रतिभागियों ने भाग लिया।

संगीत के बिना जीवन का कोई मतलब नहीं: डॉ.उमेश पाठक

तकनीकी ने सबको डिजिटल प्लेटफार्म पर खड़ा किया : डॉ राजीव पंडा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं आइक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में चल रही कार्यशाला के पांचवें दिन सिनेमा के मूल आधार और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और डिजिटल तकनीक विषय पर सत्रों का आयोजन किया गया।

महाराजा अग्रसेन प्रबंध अध्ययन संस्थान दिल्ली के जनसंचार विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. उमेश पाठक ने कहा कि संगीत इंसान के लिए जरूरी है, इसके बिना जीवन का कोई मतलब नहीं ह।

इसलिए सिनेमा में संगीत को महत्व दिया जाता है। उन्होंने सिनेमा में कैमरा, लाइट, साउंड और एक्शन के विभिन्न पहलुओं पर बारिकी से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दक्षिण की फिल्मों में साउंड्स पर ज्यादा फोकस किया जाता है। शोले और दीवार फिल्म के शाट और डायलॉग दिखाकर उन्होंने साउंड और डायलॉग को स्पष्ट किया।

इसी क्रम में नयी दिल्ली एपीजे इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार पंडा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और डिजिटल तकनीक विषय पर बात की।

कहा कि कोविड-19 ने टेक्नोलॉजी में बहुत बदलाव लाया है, सबको डिजिटल प्लेटफार्म पर

लाकर खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी तेजी से बदल रही है। इसका ज्ञान जरूरी है। उन्होंने डिजिटल तकनीक के विविध आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि मोबाइल ने नागरिकों की आवाज को सोशल मीडिया के माध्यम से वैश्विक स्तर तक पहुंचाया है. तथ्यों की चर्चा करते हुए कहा कि भारत में सोशल मीडिया के यूजर्स तेजी से बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर स्वागत संयोजक डॉ मनोज मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर , प्रो मानस पांडेय,डॉ अवध बिहारी सिंह,डॉ जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ राखी तिवारी, डॉ कौशल पांडेय, डॉ हिमानी सिंह, डॉ सुनील गुप्त,डॉ रश्मि गौतम समेत विभिन्न प्रदेशों के प्रतिभागी मौजूद रहे।

कोविड के दौरान डिजिटल मीडिया की दिखी प्रासंगिकता : प्रो संजय द्विवेदी

पत्रकारिता मिशन है इसलिए जन से जुड़ी -प्रो निर्मला एस. मौर्य

टेक्नोलॉजी और कंटेंट का मिश्रण है डिजिटल मीडिया : प्रो.बंदना पांडेय

सात दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

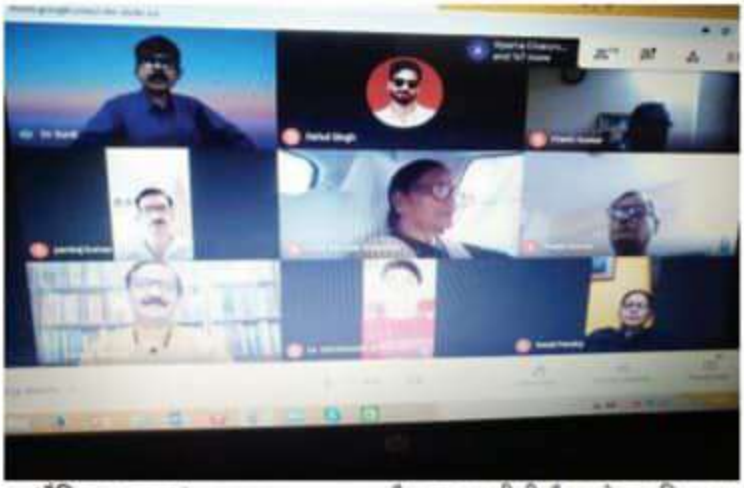

(दैनिक मान्यवर)

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं आइक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन चल रही सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का रविवार को समापन हुआ। बतौर मुख्य अतिथि भारतीय जनसंचार संस्थान,नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो0 संजय द्विवेदी ने कहा कि महामारी के दौर में डिजिटल मीडिया ने हमारे सभी संवादों को सरल बनाया है। यह तकनीकी है इसने सशक्तिकरण की संस्कृति को बढ़ावा दिया है। तकनीकी के चलते डिजिटल मीडिया ने बहुत तेजी से प्रगति की है । समय को देखते हुए आज पारंपरिक मीडिया हाउस भी डिजिटल मीडिया हाउस में बदल रहे हैं। सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि पत्रकारिता मिशन है इसलिए जन से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में लोक कल्याण की भावना है।आज डिजिटल होती पत्रकारिता इस भाव को और समृद्ध कर रही है। विशिष्ठ अतिथि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय नोएडा की जनसंचार विभाग की अध्यक्ष प्रो0 बन्दना पाण्डेय ने कहा कि डिजिटल मीडिया दैनिक जीवन की आवश्यकता बन गई है यह प्रौद्योगिकी और कंटेंट का मिश्रण है । आज की दुनिया डिजिटल उत्पाद से भरी है। आज की डिजिटल व्यवस्था में हमारे पास सब सूचना उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है।

कार्यशाला के सात दिनों की गतिविधि रिपोर्ट संयोजक डॉ मनोज मिश्र ने प्रस्तुत किया। स्वागत समन्वयक प्रो.मानस पांडेय एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 सुनील कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ धर्मेंद्र सिंह द्वारा किया गया। तकनीकी सहयोग राना सिंह और वीर बहादुर सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो एके श्रीवास्तव, आचार्य विक्रमदेव,प्रो लता चौहान, डॉ बुसरा जाफरी, डॉ शालिनी शर्मा, सुमन शर्मा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ अवध बिहारी सिंह, डॉ चंदन सिंह, डॉ अखिलेश चन्द्र, डॉ गीता सिंह, अभिषेक कटियार,डॉ पवन सिंह समेत विभिन्न प्रदेशों के प्रतिभागी शामिल हुए।

युवक ने मा
को पीटक

शाहगंज (जौनपु
क्षुब्ध होकर युवक
को मारपीट कर घा
लिए पुरुष चिकित्स
चुडी मुहल्ला मे रवि
विवाद से क्षुब्ध हो
पर अपने पिता राम
(64) व बहन, शा
मारपीट कर घायल
उपचार के लिए पु
गया। पुलिस मामले

चार माह के ब
की ठोकरें खा

रामपुर जौनपुर।
जमालापुर अंतर्ग
विवाहिता अपने पति
बच्चे के साथ दर दर
के निवासी प्रेमी युग
परिवार के मर्जी के
बाद से ही दोनों सूर
गोद में चार माह का
के अनुसार रामपुर
निवासी दया नाथ प
व गांव के ही धर्मेंद्र
ने परिवार के मर्जी
लिया था। दोनों के
लोग मजबूर थे। शा
पत्नी अंजलि को ले
था।अंजलि ने पुलिस
पत्र देकर आरोप लग
ने एक माह पूर्व उ
बुलाया।घर आने के
जिससे उसके पति क
चल रहा है।

कोविड के दौरान डिजिटल मीडिया की दिखी प्रासंगिकता : प्रो संजय द्विवेदी

पत्रकारिता मिशन है इसलिए जन से जुड़ी -प्रो निर्मला एस. मौर्य

टेक्नोलॉजी और कंटेंट का मिश्रण है डिजिटल मीडिया : प्रो.बंदना पांडेय

सात दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

(दैनिक मान्यवर)

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं आइक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन चल रही सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का रविवार को समापन हुआ। बतौर मुख्य अतिथि भारतीय जनसंचार संस्थान,नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो0 संजय द्विवेदी ने कहा कि महामारी के दौर में डिजिटल मीडिया ने हमारे सभी संवादों को सरल बनाया है। यह तकनीकी है इसने सशक्तिकरण की संस्कृति को बढ़ावा दिया है। तकनीकी के चलते डिजिटल मीडिया ने बहुत तेजी से प्रगति की है । समय को देखते हुए आज पारंपरिक मीडिया हाउस भी डिजिटल मीडिया हाउस में बदल रहे हैं। सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि पत्रकारिता मिशन है इसलिए जन से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में लोक कल्याण की भावना है।आज डिजिटल होती पत्रकारिता इस भाव को और समृद्ध कर रही है। विशिष्ठ अतिथि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय नोएडा की जनसंचार विभाग की अध्यक्ष प्रो0 बन्दना पाण्डेय ने कहा कि डिजिटल मीडिया दैनिक जीवन की आवश्यकता बन गई है यह प्रौद्योगिकी और कंटेंट का मिश्रण है । आज की दुनिया डिजिटल उत्पाद से भरी है। आज की डिजिटल व्यवस्था में हमारे पास सब सूचना उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है।

कार्यशाला के सात दिनों की गतिविधि रिपोर्ट संयोजक डॉ मनोज मिश्र ने प्रस्तुत किया। स्वागत समन्वयक प्रो.मानस पांडेय एवं धन्यवाद् ज्ञापन डॉ0 सुनील कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ धर्मेंद्र सिंह द्वारा किया गया। तकनीकी सहयोग राना सिंह और वीर बहादुर सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो एके श्रीवास्तव, आचार्य विक्रमदेव,प्रो लता चौहान, डॉ बुसरा जाफरी, डॉ शालिनी शर्मा, सुमन शर्मा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ अवध बिहारी सिंह, डॉ चंदन सिंह, डॉ अखिलेश चन्द्र, डॉ गीता सिंह, अभिषेक कटियार,डॉ पवन सिंह समेत विभिन्न प्रदेशों के प्रतिभागी शामिल हुए।

अमरउजाला

डिजिटलीकरण से भ्रष्टाचार पर लगा अंकुश : प्रो. संजय द्विवेदी

जौनपुर। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमएसी) नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि डिजिटलीकरण से देश में भ्रष्टाचार रोकने में काफी हद तक सफलता मिली है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की चिंता थी कि लाभार्थियों के लिए भेजे गए पैसे का बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। अब डिजिटल इंडिया के चलते एक क्लिक से सीधे लाभार्थियों के खातों में धनराशि पहुंच रही है।

पूविवि में कार्यशाला के समापन पर बोले आईआईएमसी के महानिदेशक

वह पूविवि के आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन प्रकोष्ठ एवं जनसंचार विभाग की ओर से सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला के समापन पर रविवार को 'डिजिटल दौर में मीडिया का बहुआयामी स्वरूप' विषय पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि अगर डिजिटल मीडिया न होता तो कोरोना काल में लॉकडाउन के कारण जनजीवन ठहर जाता। न तो हम सार्वजनिक संवाद कर पाते न शिक्षा व्यवस्था और व्यापार चल पाता। विशिष्ट अतिथि गौतम बुद्ध विवि ग्रेटर नोएडा के जनसंचार विभाग की अध्यक्ष प्रो. वंदना पांडेय ने कहा कि आज दुनिया डिजिटल उत्पादों से भरी हुई है। तकनीक इस कदर विकसित हो चली है कि डिजिटल मीडिया से आगे आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर काम होने लगा है। अध्यक्षता कर रहीं पूविवि की कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने कहा कि पत्रकारिता मिशन भी है और प्रोफेशन भी। पत्रकारिता के व्यवसाय होने का मतलब व्यापार नहीं बल्कि रोजगार से है। स्वागत प्रो. मानस पांडेय ने किया। विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने कार्यशाला की रिपोर्ट पेश की। संचालन डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने किया।

आज
जौनपुर
३
वाराणसी, २० जून, २०२१

कोरोनासे खतरेमें आई सामाजिक सुरक्षा- प्रो. राघवेन्द्र

आनलाइन चल रही सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशालाका छठा दिन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं आइक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में आनलाइन चल रही सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के छठें दिन शनिवार को कोविड के दौर में विकास संचार एवं सोशल मीडिया मार्केटिंग विषयक सत्रों का आयोजन किया गया।

इंदिरा गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश के पत्रकारिता विभाग के आचार्य डा. राघवेन्द्र मिश्र ने कोविड के दौर में विकास संचार विषय पर कहा कि आज कोरोना ने कई गंभीर समस्याओं को जन्म दिया है, बढते अविश्वास ने लोगों को अपुष्ट सूचनाओं पर भरोसा करने पर विवश कर दिया है। आज विकास संचार की भूमिका इसी अविश्वास को दूर करने की है। उन्होंने कहा कि विकास के मानकों में खेती, स्वास्थ्य, शिक्षा पर और भी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। कोविड के आफ्टर इफेक्टस में कई लोगों की सामाजिक सुरक्षा खतरे में आ गई है। नई मानसिक समस्याएं जन्म ले रही हैं। विकास संचार की अवधारणा में हमें इस बात का ध्यान रखना है कि महामारी के इस दौर में गलत और भ्रामक सूचनाएं प्रसारित न हो। इसी क्रम में दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार सुरजीत दास गुप्ता ने सोशल मीडिया

मार्केटिंग के विविध पक्षों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के दौर में डिजिटल मीडिया का पाठक ज्यादातर युवा वर्ग है। प्रोफेशनल है। जिसके पास उतना धैर्य और समय नहीं है। ऐसे में खबरों की प्रस्तुति में बहुत ध्यान देना होगा। कार्यक्रम का संचालन डा. अवध बिहारी सिंह, स्वागत संयोजक डा. मनोज मिश्र एवं धन्यवाद् ज्ञापन डा. धर्मेन्द्र सिंह ने किया। तकनीकी सहयोग वीर बहादुर सिंह एवं राना सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. मानस पाण्डेय, प्रो. लता चौहान, डा. राखी तिवारी, डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा. सुनील कुमार आदि शामिल रहे।

आज
जौनपुर
३
वाराणसी, १८ जून, २०२१

महात्मा गांधीने जनसंपर्कसे सभी वर्गोंको जोड़ा- डा. स्मिति

कार्यशालाके चौथे दिन डिजिटल पत्रकारिता पर हुई चर्चा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं आइक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में चल रही कार्यशाला के चौथे दिन जनसंपर्क के बदलते आयाम एवं डिजिटल दौर की पत्रकारिता, आवश्यकता एवं सावधानियां विषयक सत्रों का आयोजन किया गया।

फकीर मोहन विश्वविद्यालय उड़ीसा के पत्रकारिता विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर स्मिति पाढ़ी ने जनसंपर्क के बदलते आयाम विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जन संपर्क क्षेत्र में झूठ का स्थान नहीं है। सकारात्मक पहलुओं के साथ जनता से जुड़े और संस्थान की छवि के निर्माण में अपनी भूमिका अदा करें। उन्होंने कहा कि देश में सांस्कृतिक एकता होने के बावजूद महात्मा गांधी ने अपनी तत्कालीन जनसंपर्क तकनीकी से सभी वर्गों को एक साथ जोड़ा। उनकी तकनीकी को आज विश्व के

तमाम देश अपना कर जनमानस से जुड़ रहे है। उन्होंने कहा कि आज सोशल मीडिया जनसंपर्क के उपकरण के रूप में तेजी से इस्तेमाल किया जा रहा है। जनसंपर्क अधिकारियों को सोशल मीडिया पर आने वाली टिप्पणियों को विश्लेषित कर सुधार करना चाहिए। उन्होंने जनसंपर्क की आधुनिक तकनीकों पर भी विस्तार से चर्चा की। इसी क्रम में दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार कुमार श्रीकांत ने डिजिटल दौर की पत्रकारिता पर कहा कि वेब पत्रकारों को पत्रकारिता की नीति, नियम और मापदंडों का पालन करना चाहिए। डिजिटल युग में वेब पोर्टल पर निरंतर खबरें देने का दबाव है ऐसे में और अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बहुत सारे प्रिंट मीडिया के संस्थान 24 घंटे डिजिटल मीडिया पर सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यम पर संदेशों को लिखते समय विशेष ध्यान देने की जरूरत है। यह सदैव ध्यान रखना चाहिए कि वह जो लिख रहे हैं वह लोगों को कितना पसंद आएगा। कार्यक्रम का संचालन डा. सुनील कुमार, स्वागत संयोजक डा. मनोज मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। इस अवसर पर प्रो. संजीव भानावत, प्रो. मानस पांडेय, डा. विजय तिवारी, डा. अवध बिहारी सिंह, डा. हिमानी सिंह, डा. सुनील गुप्त, डा. रश्मि गुप्ता समेत विभिन्न प्रदेशों के प्रतिभागी मौजूद रहे।

अमर उजाला

वाराणसी

'महात्मा गांधी ने जनसंपर्क से सभी वर्गों को जोड़ा'

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं आइक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में चल रही कार्यशाला के चौथे दिन जनसंपर्क के बदलते आयाम एवं डिजिटल दौर की पत्रकारिता, विषय पर चर्चा हुई।

फकीर मोहन विवि. उड़ीसा के पत्रकारिता विभाग की असिस्टेंट प्रो. स्मिति पाढ़ी ने कहा कि जन संपर्क क्षेत्र में झूठ का स्थान नहीं है। सकारात्मक पहलुओं के साथ जनता से जुड़े और संस्थान की छवि के निर्माण में अपनी भूमिका अदा करें। महात्मा गांधी ने अपनी जनसंपर्क तकनीकी से सभी वर्गों को एक साथ जोड़ा। उनकी तकनीकी को आज विश्व के तमाम देश अपना कर जनमानस से जुड़ रहे है। वरिष्ठ पत्रकार कुमार श्रीकांत ने कहा कि डिजिटल दौर की पत्रकारिता की नीति, नियम और मापदंडों का पालन करना चाहिए। डिजिटल युग में वेब पोर्टल पर निरंतर खबरों देने का दबाव है, ऐसे में और अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। संचालन डॉ. सुनील कुमार, स्वागत डॉ. मनोज मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। इस दौरान प्रो. संजीव भानावत, प्रो. मानस पांडेय, डॉ. अवध बिहारी, डॉ. हिमानी सिंह, डॉ सुनील गुप्त, डॉ रश्मी गुप्ता आदि मौजूद रहे।

तय समय के बाद न खोले जाएं संकाय और कार्यालय

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. निर्मला एस मौर्य ने कहा कि तय समय के बाद परिसर के कोई भी संकाय और कार्यालय न खोले जाएं। यदि तय समय के बाद भी संकाय व कार्यालय खोलना जरूरी है तो बिना अनुमति के न खोले जाएं। बृहस्पतिवार को सभी विभागों और संकायों में पत्र भेज कर अवगत कराया कि परिसर में कुछ लोग घूमते हुए देखे जा रहे है। जिनका विश्वविद्यालय से कोई लेना देना नहीं है। ऐसे लोगों का परिसर में घूमना विवि. की गरिमा के खिलाफ है और सुरक्षा की दृष्टि से भी उचित नहीं है। संवाद

पंचायत के बाद जबरन टिनशेड

‘बिन बलमा फगुनवा जहर लागेला’

संगीत समारोह में लोक कलाकारों को किया गया सम्मानित

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर। श्री द्वारिकाधीश लोक संस्कृति संस्थान की ओर से बक्शा विकासखंड के पुरावनपुर गांव में रविवार को लोक संगीत समारोह का आयोजन किया। देर रात तक चले इस अनूठे कार्यक्रम में श्रोता फागुनी स्वर लहरियों में झूमते रहे। सुरुचिपूर्ण फाग लोक संगीत से कलाकारों ने होली के रंगों को और भी चटक बना दिया। युवा पीढ़ी ने भी अपनी रुचि दिखाते हुए मंच पर अपनी शानदार प्रस्तुति दी।

फागुनी गीतों के इस धमाल में चौताल तिकड़ी 92 वर्षीय बड़कऊ उपाध्याय, लाल साहब पाठक व रामनवल शुक्ल ने मंत्रमुग्ध कर दिया। फाग गीत की शानदार प्रस्तुति ख्यातिलब्ध उलारा गायक राम आसरे तिवारी ने : बिन बलमा फगुनवा जहर लागेला, बिन बलमा तथा उलारा जहां झोंकवन आवे बयार अटरिया लेबी छवाय द बालमवा तथा सवरियां जुलुम गुजाय हो हमरी सेजरिया सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। फाग गीत के प्रसिद्ध गायक कैलाश शुक्ल ने उलारा बाज रही पैजनियां छमाछम तथा जनपद के मशहूर चौताल गायक डॉ. सत्य नाथ पांडेय ने फागुन के दिन गिनत बिताने पैत निपटाने गाकर वाह वाही लूटी।

युवा गायक डॉ. रामकृष्ण पाण्डेय ने होली गीत प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

देवी गीत गायक आशीष पाठक अमृत, बेलवइया गायक त्रिवेणी प्रसाद पाठक, बाल कलाकार तबला वादक पं. कार्तिकेय मिश्र, ढोल वादक कृष्णानंद उपाध्याय, अशोक कुमार, लक्ष्मी उपाध्याय, भुट्टे मिश्र, नजरू उस्ताद सहित समस्त लोक गायकों एवं अतिथियों का स्वागत संस्थान के अध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने किया। लोक सेवा आयोग यूपी के सदस्य प्रो. आरएन त्रिपाठी एवं भारतीय विज्ञान कथा लेखन समिति के सचिव डॉ. अरविन्द मिश्र ने लोक गायकों को अंगवस्त्र पहना कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन पं. श्रीपति उपाध्याय एवं धन्यवाद ज्ञापन ओंकार मिश्र ने किया।

फागुआ गीतों पर झूमे श्रोता

सतहरिया। मुंगराबादशाहपुर के हलका का पुरा सरहदी गांव में रविवार देर शाम को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें लोगों ने गुलाल-अबीर उड़ा कर एक दूसरे को होली की बधाई दी। इस दौरान कलाकारों ने फगुआ गीत प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों ने होली गीत के माध्यम से उसके महत्व को बताया। कहा कि दिलों को जोड़ने में होली पर्व सेतु का काम करता है। आपस में मिलजुल कर रहने के लिए संदेश वाहक है। स्थानीय कलाकारों में शोभ नाथ पांडेय, गंगा प्रसाद, राजनाथ,महेंद्र प्रसाद, अशोक कुमार, ओम प्रकाश, प्रभाकर,सुधाकर व दिनेश पांडेय ने मनमोहक अंदाज में फगुआ गीत प्रस्तुत किया। फागुआ गीत सुन कर लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इस मौके पर नीरज पांडेय, राजन मिश्रा, अंकित मिश्र, विवेक, शिवम, सुमित, सागर तिवारी,अंकुश, अमन, अभिषेक, रमेश आदि रहे।

की तरह ऊर्जा निगमों में कार्यरत सभी संविदा कर्मियों को नियमित किए जाने की मांग की गई। अध्यक्ष आधार व संचालन निखिल किया। इस दौरान अश्वनी संजय यादव, सत्या उपाध्याय अन्य मौजूद रहे। यूपी बैंक

कि हड़ताल से 75 करोड़ रुपये का

यादव, प्रेमचंद्र यादव आदि ने कहा

दिन सभी सेवानिवृत्त लाभों के भुगतान, जीडीएस कर्मचारियों को कर्मचारी का दर्जा देना, स सहित सभी कर्मचारियों को क बीमा, केंद्रीय सरकार योजना के तहत मेडिकल की शामिल रहा।

दैनिक जागरण 29 मार्च 2022

भाषा के संरक्षण के लिए बढ़ाने होंगे कदम : कुलपति

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर) : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय सभागार में सोमवार को भारतीय भाषा पाठ्यक्रम संरचना एवं अनुवाद प्रक्रिया पर कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत हुई। इसका आयोजन सेंटर आफ एक्सीलेंस अनुवाद जनसंचार विभाग की ओर से हुआ। कार्यशाला में मराठी, बांग्ला, तेलगू, प्राकृत, संस्कृत, तमिल, भोजपुरी, प्रयोजनमूलक हिंदी एवं नेपाली विषय के पाठ्यक्रम की संरचना की गई।

उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्या ने कहा कि भाषा के संरक्षण के लिए कदम बढ़ाने होंगे। भाषा और अनुवाद के पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सरलता से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। बताया कि विश्वविद्यालय भाषा के सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम अगले सत्र से शुरू करेगा। प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में भी भाषा के पाठ्यक्रम वहीं से क्रियान्वित होंगे। प्रदेश सरकार ने पूर्वांचल विश्वविद्यालय को नोडल केंद्र बनाते हुए जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि देश- विदेश में द्विभाषिया की बहुत मांग है। हमें त्रिभाषा सूत्र पर काम करना होगा। विशिष्ट अतिथि केंद्रीय भाषा संस्थान मैसूर के शोध अधिकारी डाक्टर पंकज द्विवेदी ने कहा कि उनका संस्थान लुप्तप्राय और संकटग्रस्त भाषाओं के संवर्धन के लिए विशेष कार्य कर रहा है। भारतीय भाषाओं के उन्नयन के लिए भी हम निरंतर सक्रिय है।

उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग से केंद्रीय भाषा संस्थान शीघ्र ही एमओयू करेगा।

कार्यशाला में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के मराठी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर प्रमोद पाडवाल, बांग्ला विभाग के अध्यक्ष प्रो. पीके मैती, तेलगू विभाग के अध्यक्ष प्रो.बुद्धाती वेंकटेश्वरलु,नेपाली भाषा विभाग के प्रो.दिवाकर प्रधान,हिंदी विभाग के डा.सत्य प्रकाश पाल,तमिल विभाग के डा. जगदीशन टी, संस्कृत विभाग एवं भोजपुरी अध्ययन केंद्र के डा. राजेश सरकार, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्राकृत एवं जैनागम विभाग के प्रो. हरिशंकर पांडेय, संस्कृत विद्या विभाग के डा. रविशंकर पाण्डेय विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुए। कार्यशाला की रूपरेखा आईक्यूएसी सेल के समन्वयक प्रो. मानस पांडेय ने प्रस्तुत की। संचालन सेंटर आफ एक्सीलेंस अनुवाद के समन्वयक डा. मनोज मिश्र एवं धन्यवाद कुलसचिव महेंद्र कुमार ने ज्ञापित किया।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को आयोजित कार्यशाला को संबोधित करती हुई प्रोफेसर निर्मला एस मौर्या ● जागरण

आयोजन

- द्विभाषिया की देश-दुनिया में मांग
- त्रिभाषा सूत्र पर काम करना होगा
- भारतीय भाषा पाठ्यक्रम संरचना एवं अनुवाद प्रक्रिया पर कार्यशाला
- भारतीय भाषा के पाठ्यक्रमों को विवि में शुरू करने की तैयारी

लोकमंगल के पत्रकार थे देवर्षि नारदः मनोज मिश्र

आयोजन

जनसंचार विभाग में मनाई गई देवर्षि नारद की जयंती

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में मंगलवार को देवर्षि नारद की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पत्रकार नारद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने देवर्षि नारद को सृष्टि का प्रथम संचारक कहा।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. रामनारायण ने कहाकि देवर्षि नारद दुनिया के पहले संचारक थे। साथ ही उन्हें सृष्टि का पहला संवाददाता भी कहा जाता था जो अपना काम पूरे ईमानदारी के साथ संपादित करते थे। जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. मनोज मिश्र ने कहा कि देवर्षि नारद पत्रकारिता के प्रथम निडर पत्रकार थे। शिखर पुरुष एवं नीतियों को संबोधित व्यक्ति या समाज

जयंती समारोह को सम्बोधित करते डॉ. मनोज मिश्र

तक बेबाक रूप से पहुंचाते थे। उनकी पत्रकारिता में लोकमंगल निहित होता था।

उनके लोकहित और लोकमंगल की पत्रकारिता के प्रमाण प्राचीन ग्रंथों में मिलते हैं। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डा. सुनील कुमार ने कहा कि आज की पत्रकारिता में टेबिल रिपोर्टिंग का दौर चला है। महर्षि नारद हमेशा स्पाट रिपोर्टिंग करते थे। वह अपनी बात को बिंदास होकर प्रेषित करते थे। इसके पूर्व विभागाध्यक्ष मनोज मिश्र ने मुख्य अतिथि को बुके देकर स्वागत किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा. अवध बिहारी सिंह ने भी विचार व्यक्त किए।

लोकमंगल के पत्रकार थे देवर्षि नारदः डा. मनोज मिश्र

जनसंचार विभाग में मनाई गई देवर्षि नारद की जयंती

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में मंगलवार को देवर्षि नारद की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आदि पत्रकार नारद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने देवर्षि नारद को सृष्टि का प्रथम संचारक कहा। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. रामनारायण ने कहा कि देवर्षि नारद दुनिया के पहले संचारक थे। साथ ही उन्हें सृष्टि का पहला संवाददाता भी कहा जाता था जो अपना काम पूरे ईमानदारी के साथ संपादित करते थे। जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. मनोज मिश्र ने कहा कि देवर्षि नारद पत्रकारिता के प्रथम निडर पत्रकार थे। शिखर पुरुष एवं नीतियों को संबंधित व्यक्ति या समाज तक बेबाक रूप से पहुंचाते थे। उनकी पत्रकारिता में लोकमंगल निहित होता था। उनके लोकहित और लोकमंगल की पत्रकारिता के प्रमाण प्राचीन ग्रंथों में मिलते हैं।

जयंती समारोह को संबोधित करते डा. मनोज मिश्र।

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डा. सुनील कुमार ने कहा कि आज की पत्रकारिता में टेबिल रिपोर्टिंग का दौर चला है। महर्षि नारद हमेशा स्पाट रिपोर्टिंग करते थे। वह अपनी बात को बिंदास होकर प्रेषित करते थे। इसके पूर्व विभागाध्यक्ष मनोज मिश्र ने मुख्य अतिथि को बुकें देकर स्वागत किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा. अवध बिहारी सिंह ने भी विचार व्यक्त किए।